भी, एक आस्य (६०६२) * अही अभ्रात तर्थ (क्ष रह्या.)

- भीतिशयद कथा है? इसके उपयोग की विकें।
- श्री विद्युत पुस्वकीय तरंग कथा श्री १
- 3. अर्ड्स वल कमा कु P
- अधिका संस्था का विकांत कथा दिश
- (5) प्रकाश के विवर्तन से आप क्या माभ्रेत हैं
- © प्राथमिक और क्षितीय इंवधनुष में अंतर स्पष्ट
- किसी सतह पर विथुत कलकस की परिकाषा है
- (8) अक्षिपालक से आप कथा समझते क्षे १
- (क) आवेश संरक्षण का सिद्धांत कथा है?
- (10) प्पंट कथा है ? इसके ही उपयोगी की लिखे।
- अल्लेख की नार माडल की हो कमियों का
- १३) आवरीत एंवं आवरील कामता से आप क्या समे
- पड NAND उने NOR जीर की सन्धता सारणी जवा
- (म) X- किंगी के किंही ही गुरेगी की खिलां
- (15) क्षेवर किश्गी की ही यमुख विशेषताएँ विशेष
- (मि) एक द्रासणामर में अवी क्षप की नामांदित है
- म्याह की । विकाय मिं अंतर
- (18) वेस्पर का धितम. प्रप्रितं
- 19) त्मवर जारा स जात क्या समक्षत हैं १

(३०) हारा न्यवण्य क्या है १ विवन्यवा की!

वीर्व अभरीय प्रवत (कक्षा 128) मीतिक शास्त्र (2025)

- किरणांण के नियमों की लिखे तथा समझाएं। इन नियमों का उपयोग कर हीरहरोन क्रिल के संतुलन की अतहथा पादा करें।
- एंत फ़िया का वर्णन कर! इसकी आवर्षन क्षमता की गणना करें!
- 3) पत्रमं की स के लिए <u>म</u> = [य-1] [रि। रि2] पाप की वहां सकता के अर्थ में सामान्य है।
- (4) हाइग्रांस के चित्रीयक रहें। कर तथा असकी मदद से अम्पर्वते या परावती के नियमों का स्थापित करें।
- कि माहित की साहिता के लिए ठ्यंवक प्राप्त करें।
- (6) वियुत प्रतम्प को परिकाधित करें। वॉल के प्रथप को निर्दों एवं सिक्ष करें।

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE PARTY.

the theretal the met books

I to the property of the party of